153

Financial Accounting - Hindi

रोल नम्बर .....

अनुमत समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

प्रश्नों की कुल संख्या : 8 *छपे हुए पृष्ठों की कुल संख्या : 8*

नोट : 1. परीक्षार्थियों को कुल छः प्रश्न करने हैं, जिसमें प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है । सभी कार्यकरण सम्बन्धी टिप्पणियों को स्पष्टतः दर्शाइए ।

2. हिन्दी माध्यम से उत्तर देने वाले परीक्षार्थी कृपया ध्यान दें कि यदि प्रश्नों के हिन्दी अनुवाद में किसी विशेष शब्द, वाक्यांश, अभिव्यक्ति या शब्दावली में संदेह या संदिग्धता हो, तो संलग्न अंग्रेजी रूपांतर ही अभिभावी होगा और सही एवं प्रामाणिक माना जायेगा ।

1. (अ) निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** की व्याख्या कीजिए :

(i) वित्तीय विवरण ।

(ii) खुदरा रोकड़ बही ।

(iii) लेखाँकन की रोकड़ प्रणाली ।

(प्रत्येक के 5 अंक)

(ब) संक्षेप में कारण सहित बताइए कि क्या निम्नलिखित कथन सत्य हैं अथवा असत्य :

(i) बैंक समाधान विवरण केवल लेखाँकन अवधि के अन्त में ही तैयार किया जाता है ।

(ii) प्रेषिती माल की प्राप्ति के समय प्रेषक को एक लेनदार के रूप में मानता है ।

(iii) व्यापारिक बट्टा लेखा-पुस्तकों में अभिलिखित नहीं किया जाता ।

(iv) एकल स्वामित्व फर्म के लिए पूँजी पर ब्याज तथा मालिक का वेतन आय मानी जाती हैं, अतः इनको लाभ एवं हानि खाते के जमापक्ष में दिखाया जाता है ।

(v) यदि एक विपत्र के भुगतान की तिथि अनुग्रह दिवसों को सम्मिलित करने के बाद किसी अवकाश के दिन पड़ती है, तो विपत्र का भुगतान अगले कार्य दिवस को किया जायेगा ।

(प्रत्येक के 2 अंक)

2. (अ) निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थानों की समुचित शब्द(दों)/संख्या(ओं) द्वारा पूर्ति करते हुए उन्हें दोबारा लिखिए :

(i) जब खानेदार रोकड़-बही का बैंक खाना जमा शेष दर्शाता है, तो इसका अर्थ होगा कि बैंक ..... है ।

(ii) एक विनिमय-विपत्र की स्वीकृति ..... की अभिस्वीकृति होती है ।

(iii) ..... खाता फर्म के समापन के समय बनाया जाता है ।

(iv) वास्तविक खाता सामान्यत: एक ..... शेष दर्शाता है ।

(v) जब एक पूर्तिकार को माल वापिस किया जाता है, तो उसको एक ..... नोट भेजा जाता है ।

(vi) किसी संयुक्त उपक्रम का लाभ अथवा हानि ज्ञात करने के लिए तैयार किया गया संयुक्त उपक्रम खाता, एक ..... खाता होता है ।

(vii) ..... ऐसी राशि है जो एक गैर-व्यापारिक प्रतिष्ठान को किसी मृतक व्यक्ति की वसीयत के अनुसार प्राप्त होती है ।

(viii) प्रतिज्ञा-पत्र में एक निर्दिष्ट समयावधि के बाद एक निश्चित व्यक्ति या उसके आदेशित व्यक्ति को एक निश्चित धनराशि के भुगतान करने हेतु एक शर्तहीन ..... होता है ।

(प्रत्येक का 1 अंक)

(ब) निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** के मध्य अन्तर्भेद कीजिए **:**

(i) 'संचिति' तथा 'प्रावधान' ।

(ii) 'विनिमय-विपत्र' तथा 'प्रतिज्ञा-पत्र' ।

(iii) 'विक्रय' तथा 'प्रेषण' ।

(प्रत्येक के 4 अंक)

3. (अ) निम्नलिखित वाक्यों के सम्बन्ध में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर को लिखिए :

(i) एक गैर-व्यापारिक प्रतिष्ठान के लिए अग्रिम प्राप्त चंदा होता है —

(अ) एक आय

(ब) एक व्यय

(स) एक सम्पत्ति

(द) एक दायित्व ।

(ii) एक प्रबन्धक को ऐसा कमीशन घटाने से पूर्व लाभों पर 5% की दर से कमीशन पाने का अधिकार है । एक लेखाँकन वर्ष में सकल लाभ ₹96,000 है जबकि प्रबन्धक के कमीशन को छोड़कर विक्रय तथा कार्यालय व्यय कुल मिलाकर ₹12,000 हैं । वर्ष के लिए प्रबन्धक का कमीशन होगा —

(अ) ₹4,000

(ब) ₹4,200

(स) ₹4,800

(द) ₹4,562

(iii) पहले अपलिखित की गई अशोध्य ऋण की कोई राशि यदि बाद में वसूल हो जाती है, तो इसको लिखा जायेगा —

(अ) देनदार के व्यक्तिगत खाते के नामपक्ष में
(ब) देनदार के व्यक्तिगत खाते के जमापक्ष में
(स) अशोध्य ऋण वसूली खाते के नामपक्ष में
(द) अशोध्य ऋण वसूली खाते के जमापक्ष में ।

(iv) ₹40,000 के सूची मूल्य के माल को 5% के व्यापारिक बट्टे तथा 2% के रोकड़ बट्टे पर नकद खरीदा गया, तो देय रोकड़ की राशि होगी —

(अ) ₹40,000
(ब) ₹38,000
(स) ₹37,240
(द) ₹38,800

(v) एक लेखाँकन वर्ष के अन्त में, कुल देनदार ₹1,00,000 के हैं । अशोध्य ऋणों हेतु तथा देनदारों पर बट्टे हेतु क्रमशः 5% तथा 2% की दर से प्रावधान किया जाता है । देनदारों पर बट्टे हेतु प्रावधान की राशि होगी —

(अ) ₹2,000
(ब) ₹5,000
(स) ₹1,900
(द) ₹1,950

(vi) एक स्थायी सम्पत्ति के उधार क्रय की प्रारम्भिक प्रविष्टि की जाती है —

(अ) रोकड़-बही में
(ब) विक्रय-बही में
(स) क्रय-बही में
(द) विशिष्ट रोजनामचे में ।

(vii) एक फर्म ने ₹50,000 के लिए एक अग्नि बीमा पॉलिसी ली । पॉलिसी में औसत वाक्य शामिल है । फर्म में आग लग जाती है । आग लगने की तिथि को गोदाम में ₹75,000 लागत का माल रखा हुआ था । कुल ₹15,000 का माल बचाया जा सका । बीमा कम्पनी दावा स्वीकार करेगी —

(अ) ₹75,000 के लिए
(ब) ₹60,000 के लिए
(स) ₹50,000 के लिए
(द) ₹40,000 के लिए ।

(viii) यदि तलपट में अन्तिम स्टॉक दर्शाया गया है, तब एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान के अन्तिम खाते बनाते समय, अन्तिम स्टॉक को दर्शाया जाता है —

(अ) केवल स्थिति-विवरण के सम्पत्ति पक्ष में

(ब) केवल व्यापार खाते के जमापक्ष में

(स) व्यापार खाते के जमापक्ष में तथा साथ ही स्थिति-विवरण के सम्पत्ति पक्ष में भी

(द) कहीं नहीं ।

(प्रत्येक का 1 अंक)

(ब) निम्नलिखित कथनों में से ***किन्हीं दो*** की व्याख्या कीजिए :

(i) कोई भी लेन-देन लेखाँकन समीकरण को भंग नहीं कर सकता ।

(ii) प्राप्ति एवं भुगतान खाता, रोकड़-बही का साराँश होता है ।

(iii) खानेदार रोकड़-बही, रोकड़ खाते तथा बैंक खाते का सम्मिश्रण होती है ।

(प्रत्येक के 4 अंक)

4. अ., ब. तथा स. बराबर के साझेदार थे । 31 मार्च, 2012 को उनका स्थिति-विवरण इस प्रकार था :

दायित्व		₹	*सम्पत्तियाँ*	₹
विविध लेनदार		1,20,000	रोकड़	12,000
देय विपत्र		66,000	विविध देनदार	2,16,000
पूँजी खाते :			स्टॉक	2,28,000
	₹		फर्नीचर	48,000
अ.	3,36,000		भवन	3,90,000
ब.	2,52,000			
स.	1,20,000	7,08,000		
		8,94,000		8,94,000

वे 1 अप्रैल, 2012 से निम्नलिखित शर्तों पर द. को साझेदारी में सम्मिलित करने के लिए सहमत हुए :

(i) द. को भावी लाभों का एक-चौथाई भाग दिया जाएगा ।

(ii) द. पूँजी के रूप में ₹2,00,000 तथा ख्याति के भाग के रूप में ₹1,80,000 नकद लाएगा, तथा सम्पूर्ण ₹3,80,000 की राशि द. के पूँजी खाते के जमापक्ष में लिखी जाएगी तथा कोई ख्याति खाता नहीं खोला जाएगा ।

(iii) पुराने साझेदारों द्वारा ख्याति के अपने-अपने भाग का आधा भाग नकद रूप में आहरित किया जाएगा ।

(iv) स्टॉक तथा फर्नीचर पर 10% की दर से मूल्यह्रास लगाया जाएगा ।

(v) संदिग्ध ऋणों के लिए विविध देनदारों पर 5% का प्रावधान किया जाएगा ।

(vi) भवनों का मूल्य बढ़ाकर ₹4,50,000 किया जाएगा ।

(vii) विविध लेनदारों की राशि को ₹6,000 कम किया जाएगा क्योंकि यह राशि फर्म द्वारा देय नहीं है ।

पुनर्मूल्याँकन खाता तथा सभी साझेदारों के पूँजी खाते तैयार कीजिए । 1 अप्रैल, 2012 को नई फर्म का प्रारम्भिक स्थिति-विवरण भी तैयार कीजिए ।

(16 अंक)

5. (अ) रवि तथा कवि नव वर्ष पर दी जाने वाली उपहार वस्तुओं के क्रय एवं विक्रय हेतु एक संयुक्त उपक्रम में प्रविष्ट हुए । उन्होंने लाभ एवं हानि को बराबर बाँटने का समझौता किया । 4 नवम्बर, 2011 को रवि ने ₹2,00,000 मूल्य का माल खरीदा तथा कवि के पास माल भेजने में ₹12,000 खर्च किये । उसने बीमे के लिए ₹4,000 का भुगतान भी किया । उसी दिन, रवि ने कवि पर 2 माह का ₹2,00,000 का एक विनिमय-विपत्र लिखा । 7 नवम्बर, 2011 को उसने 18% वार्षिक बट्टे पर विपत्र को भुना लिया ।

कवि ने ₹6,000 ढुलाई पर, ₹10,000 किराये पर तथा ₹10,000 विज्ञापन पर व्यय किये । उसने अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए ₹4,000 मूल्य की उपहार वस्तुएँ अपने पास रखने के बाद समस्त उपहार वस्तुओं को ₹4,00,000 में बेच दिया । उसने 8 जनवरी, 2012 को देय राशि का एक चैक रवि को भेज दिया ।

आपको रवि की बहियों में — (i) मैमोरन्डम संयुक्त उपक्रम खाता; तथा (ii) कवि के साथ संयुक्त उपक्रम खाता तैयार करना है ।

(8 अंक)

(ब) तलपट बनाते समय, एक लेखाकार को ₹1,980 का अन्तर मिला । इस अन्तर को उसने एक नये खोले गए उचन्त खाते के जमापक्ष में लिख दिया । बाद में, निम्नलिखित त्रुटियाँ ज्ञात हुईं :

(i) ₹600 की बिक्री की खतौनी क्रय खाते में की गई थी ।

(ii) रमन को ₹3,300 का तथा मोहन को ₹4,500 का माल बेचा गया था । लेकिन इनको विक्रय-बही में रमन को ₹4,500 तथा मोहन को ₹3,300 की बिक्री के रूप में लिखा गया था ।

(iii) मोहन द्वारा वापिस किया गया ₹2,520 मूल्य का माल विक्रय-बही में लिखा गया था ।

(iv) खरीदे गये पुराने संयंत्र की मरम्मत पर व्यय की गई ₹1,500 की राशि को मरम्मत खाते के नामपक्ष में लिखा गया था ।

(v) कृष्णा को वापिस किया गया ₹1,590 मूल्य का माल क्रय-बही में लिखा गया था । लेकिन कृष्णा के व्यक्तिगत खाते के नामपक्ष में इसे सही लिखा गया ।

(vi) अशोक द्वारा हमको ₹1,200 दिये जाने थे, लेकिन यह राशि गलती से लेनदारों में शामिल की गई थी ।

रोजनामचा प्रविष्टियाँ करते हुए उपर्युक्त त्रुटियों का शोधन कीजिए तथा उचन्त खाता बनाइये ।

(8 अंक)

6. 1 अप्रैल, 2011 को अवधेश ने ₹9,00,000 की पूँजी से एक व्यवसाय प्रारम्भ किया । उसने तुरन्त ₹4,80,000 का फर्नीचर खरीदा । वर्ष के दौरान, उसे अपने चाचा से ₹60,000 उपहार-स्वरूप प्राप्त हुए तथा उसने अपने पिता से ₹1,00,000 की राशि उधार ली । उसने अपने व्यक्तिगत व्ययों के लिए ₹12,000 प्रति माह आहरित किए । अवधेश कोई लेखा-पुस्तकें नहीं रखता था । लेकिन निम्नलिखित सूचनाएँ उपलब्ध हैं :

	₹ '000
बिक्री (₹6,00,000 की नकद बिक्री सहित)	2,000
क्रय (₹2,00,000 के नकद क्रय सहित)	1,500
आन्तरिक ढुलाई	14
मज़दूरी	6
देनदारों को अनुमत बट्टा	24
वेतन	124
अपलिखित अशोध्य ऋण	22
व्यापारिक व्यय	24
विज्ञापन	44

उसने अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए ₹26,000 मूल्य का माल लिया तथा अपने बेटे को परीक्षा एवं कालेज फीस के लिए ₹10,000 दिये । 31 मार्च, 2012 को उसके देनदार ₹4,20,000 के तथा लेनदार ₹3,00,000 के थे तथा व्यापारिक स्टॉक को ₹2,00,000 पर मूल्याँकित किया गया था । फर्नीचर पर 10% वार्षिक दर से मूल्यह्रास लगाना था ।

31 मार्च, 2012 को समाप्त हुए वर्ष के लिए व्यापार तथा लाभ एवं हानि खाता तैयार कीजिए ।

(16 अंक)

7. (अ) 30 जून, 2011 को दुर्घटनावश आग लगने से विकी एसोसिएट्स के गोदामों में स्टॉक का एक बड़ा भाग जल कर नष्ट हो गया । ₹30,000 लागत का माल बचाया जा सका किन्तु सामग्री खाता-बही को नहीं बचाया जा सका । औसत वाक्य वाली एक अग्नि बीमा पॉलिसी चल रही थी जिसके अन्तर्गत बीमित राशि ₹3,50,000 थी । उपलब्ध अभिलेखों से निम्नलिखित सूचनाएँ उपलब्ध कराई गईं :

(i) अप्रैल, 2011 से जून, 2011 की अवधि के दौरान बीजक मूल्य पर बिक्री की कुल राशि ₹30,20,000 थी । विश्लेषण से ज्ञात हुआ कि ₹3,00,000 मूल्य का माल आग लगने की तिथि से पूर्व ग्राहकों द्वारा लौटाया गया था ।

(ii) 1 अप्रैल, 2011 को प्रारम्भिक स्टॉक ₹2,20,000 था जिसमें ₹20,000 मूल्य का ऐसा स्टॉक जो लागत मूल्य अथवा बिक्री पर वसूल शुद्ध मूल्य, जो भी कम हो, सम्मिलित था ।

(iii) 1 अप्रैल, 2011 से 30 जून, 2011 के बीच क्रय ₹21,00,000 थे ।

(iv) बिक्री पर सामान्य सकल लाभ दर 33⅓% थी ।

(v) आग लगने की तिथि को अग्निशमन व्ययों के रूप में ₹30,000 की राशि व्यय हुई ।

वसूली-योग्य बीमा दावे की राशि दर्शाते हुए एक विवरण तैयार कीजिए ।

(8 अंक)

(ब) 31 दिसम्बर, 2011 को एक व्यापारी की रोकड़-बही के अनुसार बैंक नाम शेष ₹6,000 था । पास-बुक से मिलान करने पर निम्नलिखित सूचनाएँ प्राप्त हुईं :

(i) 28 दिसम्बर, 2011 को बैंक में जमा किए गए ₹5,000 के एक चैक की राशि को 2 जनवरी, 2012 को पास-बुक के जमापक्ष में लिखा गया ।

(ii) 29 दिसम्बर, 2011 को एक पूर्तिकार को ₹3,000 का चैक जारी किया गया । इस चैक को 3 जनवरी, 2012 को बैंक में भुगतान हेतु प्रस्तुत किया गया ।

(iii) बैंक द्वारा ₹4,000 बीमा प्रीमियम का भुगतान किया गया, जिसे रोकड़-बही में अभी तक अभिलिखित नहीं किया गया ।

(iv) रमेश से प्राप्त ₹3,000 के एक चैक को रोकड़-बही के बैंक खाने में लिखा गया, लेकिन यह बैंक में जमा किए जाने से रह गया ।

(v) ₹100 के बैंक व्यय रोकड़-बही में नहीं दर्शाए गए ।

(vi) बैंक द्वारा दिया गया ₹150 का ब्याज रोकड़-बही में नहीं लिखा गया ।

31 दिसम्बर, 2011 को बैंक समाधान विवरण तैयार कीजिए।

(8 अंक)

8. (अ) एस. पी. एल. लि. जो ह्रासित शेष पद्धति के अनुसार 10% वार्षिक दर से अपनी मशीनों पर मूल्यह्रास लगाती है, 1 अप्रैल, 2011 को उसके संयंत्र एवं मशीनरी खाते में ₹9,72,000 का शेष था । 31 मार्च, 2012 को समाप्त हुए वर्ष के दौरान, 1 अप्रैल, 2009 को ₹1,20,000 में खरीदी गई संयंत्र एवं मशीनरी को 1 अक्तूबर, 2011 को ₹80,000 में बेच दिया गया तथा उसी तिथि को एक नई मशीनरी ₹1,40,000 की लागत पर खरीदी तथा स्थापित की गई; स्थापना व्यय ₹10,000 थे ।

1 अप्रैल, 2009 से कम्पनी अपनी मूल्यह्रास लगाने की वर्तमान विधि ह्रासित शेष विधि को सरल रेखा विधि में बदलना एवं प्रभावी करना चाहती है, तथा 31 मार्च, 2012 से पूर्व इसके अन्तर को समायोजित करना चाहती है । मूल्यह्रास की दर पूर्ववत् ही बनी रहेगी ।

31 मार्च, 2012 को समाप्त हुए वर्ष के लिए मशीनरी खाता बनाइये ।

(10 अंक)

(ब) 31 मार्च, 2012 को समाप्त हुए लेखाँकन वर्ष के दौरान प्रयोग में लाई गई लेखन-सामग्री की राशि ज्ञात कीजिए :

	₹
1 अप्रैल, 2011 को लेखन-सामग्री का स्टॉक	6,000
1 अप्रैल, 2011 को लेखन-सामग्री हेतु लेनदार	4,000
लेखन-सामग्री हेतु अग्रिम भुगतान जो 31 मार्च, 2011 को समाप्त हुए वर्ष से आगे लाए गए	400
31 मार्च, 2012 को समाप्त हुए लेखाँकन वर्ष के दौरान लेखन-सामग्री हेतु भुगतान की गई राशि	21,600
31 मार्च, 2012 को लेखन-सामग्री का स्टॉक	1,000
31 मार्च, 2012 को लेखन-सामग्री हेतु लेनदार	2,600
31 मार्च, 2012 को लेखन-सामग्री हेतु अग्रिम भुगतान	2,600

(6 अंक)

————0————